

पाठ-4 विदुर

अंबालिका की दासी से धर्मदेव का जन्म हुआ जो आगे चलकर विदुर के नाम से विख्यात हुए ।

भीष्म द्वारा धर्मदेव अर्थात् विदुर के विवेक एवम् ज्ञान से प्रभावित होकर धृतराष्ट्र का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया ।

धर्मदेव विदुर के नाम से इसीलिए विख्यात हो गए क्योंकि उनके ज्ञान और विवेक से सभी प्रभावित हो गए ।

धृतराष्ट्र के कहने पर विदुर को दूत बनाकर युधिष्ठिर को जुआ खेलने का न्यौता दिया गया ।

विदुर ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए युधिष्ठिर को निमंत्रण स्वीकार ना करने की सलाह भी दी ।

प्रस्तुत पाठ के पाठांशों से विदुर नीति का परिचय एवं स्वस्थ सोच की पहचान मिलती है ।